(d) The impact of Gulf war is only a temporary phenomenon whereas the purpose of 'India Tourism Year' is to improve the awareness of tourism within the country, enhance the tourism infrastructure and facilities, and to build-up the image of India as a tourist destination on a long standing basis.

रेलवे श्रमिक सहकारी बैंक लिमिटेड बीकानेर के मामले

1215. **श्रीमती सरला माहेश्वरी:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बहुराज्य सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1984 के अधीन गठित रेलवे-श्रमिक सहकारी बैंक लिमिटेड, बीकानेर के वर्तमान निदेशक मंडल का कार्यकाल समाप्त हो जाने और इस दिशा में रजिस्ट्रार द्वारा स्पष्ट आदेश दिये जाने के बावजूद, नये निदेशक मंडल का चुनाव नहीं कराये जाने के क्या कारण हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि बैंक का वर्तमान निदेशक मंडल सहकारिता के सिद्धांतों का अवहेलना करके हिस्सेदारों की पूंजी का दुरुपयोग कर रहा है ; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में क्या उपचारी कदम उठाये गये हैं या उठाये जाने का विचार है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री जयन्तीलाल वीरचन्द्र भाई शाह) : (क) से (ग) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जायेगी ।

खाद्यान्नों तथा उर्वरकों पर राज सहायता

1216. **जा० जितेन्द्र कुमार जैन :**
श्री बलराम सिंह यादव :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ग्राम उपभोक्ताओं और उत्पादकों को राहत देने के लिए खाद्यान्नों तथा उर्वरकों पर राज सहायता देती है ;

(ख) यदि हां, तो इस वर्ष इन क्षेत्रों को दी जाने वाली राज सहायता की अनुमानित राशि कितनी है ;

(ग) क्या यह सच है कि पिछले वर्षों की तुलना में उपरोक्त धनराशि में निरन्तर वृद्धि होती रही है ; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार इस धन-राशि में कमी करने का विचार रखती है, यदि हां, तो उपभोक्ताओं और उत्पादकों के हितों को देखते हुए इन क्षेत्रों को राहत पहुंचाने के लिए राज सहायता में कमी कर के सरकार द्वारा क्या व्यवस्था की जा रही है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री जयन्तीलाल वीरचन्दभाई शाह) : (क) जी, हां। सरकार खाद्यान्नों तथा उर्वरकों पर राज सहायता प्रदान कर रही है । तथापि, उर्वरक उत्पादकों को दी जाने वाली राज सहायता उपभोक्ताओं के लिए है क्योंकि उत्पादकों के लिए यह बाध्यकर है कि वे किसानों को अधिसूचित मूल्यों पर उर्वरकों की बिक्री करें जो कि उत्पादन की लागत से कम है ।

(ख) 1990-91 के बजट अनुमानों में खाद्यान्नों तथा उर्वरकों के लिए व्यवस्थित राशियां क्रमशः 2200 करोड़ रु० और 4000 करोड़ रु० है ।

(ग) उर्वरक राजसहायता वृद्धि की प्रवृत्ति दर्शा रही है और खाद्यान्न राज सहायता में सामान्य वृद्धि की प्रवृत्ति दर्शा रही है ।

(घ) वर्ष 1991-92 के लिए प्रस्तावित बजट अनुमानों में उर्वरक राजसहायता के लिए 4500 करोड़ रु० का प्रावधान है । उत्पादको तथा उपभोक्ताओं दोनों के हितों को ध्यान में रखते हुए उर्वरकों पर दी जाने वाली राजसहायता को सीमित करने के विभिन्न उपायों पर सरकार सतत रूप से ध्यान देती है।

जहां तक खाद्यान्न राज सहायता का संबंध है, खाद्यान्न राज सहायता को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं और किसानों तथा उपभोक्ताओं के हितों के बीच संतुलन कायम रखा जाएगा।

Subsidies for Foodgrains

1217. SHRI KAPIL VERMA: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether any subsidies have been given so far in respect of foodgrains sold to the consumers;

(b) if so, the details of these subsidies;

(c) whether Govt. propose to do away with those subsidies; and

(d) if so, the reasons for the same?

THE MINISTER OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI RAO BIRENDRA SINGH): (a) and (b) The Central issue price of foodgrains does not cover the economic cost of FCI. The Central issue price of foodgrains is kept at lower level with a view to supplying foodgrains to the consumers at reasonable prices as a deliberate public policy. The difference between the economic cost and the Central issue price is reimbursed to FCI as food subsidy. The food subsidy given during last two years and in the current year, year-wise, is as under:—

Year	Rs./Crores
1988-89 . . .	2200
1989-90 . . .	2476 (including Rs. 44 crores on sugar)
1990-91 . . .	1825.57 (till 4-3-1991)

(c) No, Sir.

(b) Does not arise.

Derailment of Goods train and Delhi bound Kalka Mail

1218. SHRI PRABHAKAR RAO KALVALA:

SHRI BHUBANESWAR KALITA:

KUMARI SUSHILA TIRIA:

SHRI KAPIL VERMA:

SHRI RAM NARESH YADAV:

Will the Minister of RAILWAYS pleased to state:

(a) whether it is a fact that the five wagons of a goods train derailed at the Patel Nagar Railway Station in West Delhi on the 11th February, 1991 and engine with eleven coaches on Delhi-bound-Kalka Mail derailed in Allahabad on the 15th February, 1991;

(b) if so, the total number of people killed and injured in each accident;

(c) whether any compensation has since been paid;

(d) the reasons of the each accident;

(e) whether any inquiry has since been conducted in both accidents;

(f) the loss of property; and

(g) the steps taken to curb such accidents?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI BHAKTA CHARAN DAS): (a) Yes, Sir.

(b) In the accident involving Howrah-Delhi-Kalka Mail, 15 persons lost their lives and 71 sustained injuries.

However, nobody was killed or injured in the Yard derailment of the Goods train at Patel Nagar Railway station.

(c) In the case of derailment of Howrah-Delhi-Kalka Mail, no compensation has been paid. A sum of Rs. 53,000/- has been paid as ex-gratia to the injured passengers and to the